इंडियन इंस्टीट्यूट आफ बैंकिंग एण्ड फाइनैन्स का मासिक न्यूजलेटर प्रति माह 40/ रुपए
(आईएसओ 9001 : 2015 द्वारा प्रमाणित)

व्यावसायिक
उत्कृष्टता के
प्रति प्रतिबद्ध

आईआईबीएफ विजन

खंड : 9 अंक : 9 अप्रैल, 2017 पृष्ठों की संख्या 16

विजन : बैंकिंग और वित्त के क्षेत्र में सक्षम व्यावसायिक शिक्षित एवं विकसित करना।
मिशन : प्राथमिक रूप से शिक्षण, प्रशिक्षण, परीक्षा, परामर्श और निरंतर आधार वाले व्यावसायिक विकास कार्यक्रमों की प्रक्रिया के माध्यम से सुयोग्य और सक्षम बैंकरों एवं वित्तीय व्यावसायिकों का विकास करना।

इस अंक में

मुख्य घटनाएँ ---------- 2
बैंकिंग से संबन्धित नीतियाँ ---------- 2
बैंकिंग जगत की घटनाएँ ---------- 3
बीमा---------- 6
नयी नियुक्तियाँ ---------- -7
उत्पाद एवं गठजोड़ ---------- 7
विदेशी मुद्रा ---------- 8
शब्दावली ---------- 8
वित्तीय क्षेत्र की बुनियादी जानकारी ---------- 9
संस्थान की प्रशिक्षण गतिविधियां ---------- 9
संस्थान समाचार ---------- 10
नयी पहलकदमी ---------- 13
बाजार की खबरें ---------- 14

इस प्रकाशन में समाविष्ट सूचना / समाचार की मदें सार्वजनिक उपयोग अथवा उपभोग हेतु विविध बाह्य स्रोतों/ मीडिया में प्रकाशित हो चुकी/चुके हैं और अब वे केवल सदस्यों एवं अभिदाताओं के लिए प्रकाशित की/ किए जा रही / रहे हैं। उक्त सूचना/समाचार की मदों में व्यक्त किए गए विचार अथवा वर्णित/उल्लिखित घटनाएँ संबन्धित स्रोत द्वारा यथा-अनुभूत हैं। इंडियन इंस्टीट्यूट आफ बैंकिंग एण्ड फाइनैन्स समाचार मदों/घटनाओं अथवा जिस किसी भी प्रकार की सच्चाई अथवा यथार्थता अथवा अन्यथा के लिए किसी भी प्रकार से न तो उत्तरदाई है, न ही कोई उत्तरदायित्व स्वीकार करता है।

मुख्य घटनाएँ

6 बैंकों के लिए भारतीय रिजर्व बैंक की पर्यवेक्षी परिषदें

भारतीय रिजर्व बैंक ने विदेशों मेँ परिचालनरत भारतीय बैंकों के सीमा-पार वाले परिचालनों के पर्यवेक्षण के एक भाग के रूप में छ : ऐसे बड़े बैंकों (भारतीय स्टेट बैंक, बैंक आफ बड़ौदा, बैंक आफ इण्डिया, आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, ऐक्सिस बैंक लिमिटेड और पंजाब नैशनल बैंक) जो महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय उपस्थिति रखते हैं, के लिए पर्यवेक्षी परिषदों (Colleges) की स्थापना की है। इन पर्यवेक्षी परिषदों के मुख्य उद्देश्य हैं सूचना का आदान-प्रदान तथा पर्यवेक्षकों के बीच सहयोग बढ़ाना, बैंकिंग समूह की जोखिम प्रोफाइल की समझ बढ़ाना तथा उसके द्वारा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय बैंकों के अधिक प्रभावी पर्यवेक्षण को सुगम बनाना। इन परिषदों की भौतिक बैठकें प्रत्येक वैकल्पिक वर्ष में होनी हैं।

बैंकिंग से संबन्धित नीतियाँ

भारतीय रिजर्व बैंक ने वित्तीय साक्षरता केन्द्रों से डिजिटल लेनदेन अपनाने के बारे में विशेष शिबिर आयोजित करने के लिए कहा

विमुद्रीकरण के पश्चात डिजिटल लेनदेनो को बढ़ाने पर बल दिये जाने पर सरकार के रवैये को ध्यान में रखते हुये भारतीय रिजर्व बैंक ने वित्तीय साक्षरता केन्द्रों (FLCs) को एकीकृत भुगतान अंतरापृष्ठ (UPI) और *99 सेवा के जरिये ''डिजिटल लेनदेन अपनाने'' पर 1 अप्रैल, 2017 से आरंभ करते हुए एक वर्ष के लिए विशेष शिबिर आयोजित करने की सलाह दी है। इन शिबिरों के अलावा वित्तीय साक्षरता केन्द्र पाँच लक्ष्यांकित समूहों - किसानों, लघु उद्यमियों, विद्यालय के बच्चों, वरिष्ठ नागरिकों तथा स्वयं सहायता समूहों

(SHGs) के लिए आवश्यकता-आधारित शिबिरों का आयोजन करना जारी रखेंगे। अब से ग्रामीण बैंक शाखाओं के लिए एक माह में केवल एक शिबिर (प्रत्येक माह के तीसरे शुक्रवार को शाखा के कामकाज के समय के बाद) आयोजित करने की जरूरत होगी। ग्रामीण बैंक शाखाओं द्वारा आयोजित शिबिरों में दो डिजिटल प्लेटफार्मों- एकीकृत भुगतान अंतरापृष्ठ और असंरचित पूरक सेवा डाटा बेस पर आधारित ''*99#'' सेवा का भी समावेश होगा। वित्तीय साक्षरता केंद्र तथा बैंकों की ग्रामीण शाखाएँ वित्तीय साक्षरता केन्द्र शिबिर आयोजन खर्च के लिए प्रति शिबिर अधिकतम 15,000 रुपए की शर्त पर 60% तक की निधीयन सहायता की पात्र होती हैं।

भारतीय रिजर्व बैंक ने गैर- बैंकिंग वित्तीय कंपनियों के सोने के समक्ष नकद ऋण पर नियंत्रण लगाए

भारतीय रिजर्व बैंक ने उस न्यूनतम सीमा में तीव्र कटौती कर दी है जिसके ऊपर गैर - बैंकिंग वित्तीय कंपनियाँ सोने के समक्ष ऋण का संवितरण केवल चेक द्वारा कर सकती हैं। आय कर अधिनियम के विनियमों के अनुरूप 1 लाख रुपए और उससे अधिक की पूर्ववर्ती न्यूनतम सीमा के समक्ष 20,000 रुपए और उससे अधिक रकम वाले ऐसे ऋण केवल चेक द्वारा संवितरित किए जा सकते हैं।

बैंकिंग जगत की घटनाएँ

सावरेन स्वर्ण बांड- अभौतिकीकरण

भारतीय रिजर्व बैंक ने सावरेंन स्वर्ण बांड योजना में (https:/sovereigngoldbonds.rbi.org.in पर) ऐसे निवेशकों की एक सूची लगा रखी है जिनके निवेशों को अन्य कारणों अलावा नामों और पैन संख्याओं में अंतरों, निष्क्रिय अथवा बंद खातों जैसे विविध कारणों से अभौतिकीकृत नहीं किया जा सका। निवेशक इस बात का पता लगाने के लिए उनकी निवेशक पहचान इस सूची में शामिल है अथवा नहीं इन आंकड़ों को देख सकते हैं। सभी प्राप्तकर्ता कार्यालयों के लिए भी यह आवश्यक होगा कि वे अपने ग्राहकों के लिए इस सूचना को प्राप्त कर लें तथा ऐसे ग्राहकों से परामर्श करके उपयुक्त सुधार कर लें। इस उद्देश्य के लिए भारतीय रिजर्व बैंक के कुबेर अनुप्रयोग में आशोधन सुविधा उपलब्ध है। भारतीय रिजर्व बैंक ने यह भी कहा है कि अनिर्णीत स्थिति के बावजूद सावरेंन स्वर्ण बांडों को भारतीय रिजर्व बैंक की बहियों में रखा जाना जारी रहेगा और उनका शोधन नियमित रूप से किया जाता रहेगा।

प्रसिद्ध व्यक्तियों द्वारा पारस्परिक निधियों के पृष्ठांकन के लिए सेबी के दिशानिर्देश

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (SEBI) ने प्रसिद्ध व्यक्तियों द्वारा विज्ञापित पारस्परिक निधियों के मामले में दिशानिर्देश जारी किए हैं। अब एक वित्तीय उत्पाद श्रेणी के रूप में पारस्परिक निधियों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से इस प्रकार के पृष्ठांकनों की अनुमति केवल उद्योग के स्तर पर दी जाएगी। उन्हें किसी विशिष्ट निधि को प्रायोजित करने अथवा किसी पारस्परिक निधि गृह/अस्ति प्रबंधन कंपनी के ब्रांडिंग कार्य के रूप में प्रयुक्त होने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

भारतीय रिजर्व बैंक को 10 रुपए के प्लास्टिक नोट मुद्रित कराने की स्वीकृति मिली

सरकार ने 10 रुपए के उन प्लास्टिक नोटों का क्षेत्र परीक्षण करने के लिए प्राधिकृत कर दिया है जिनका जीवन कल अपेक्षाकृत लंबा है। ये परीक्षण देश के पाँच स्थानों पर किए जाएंगे।

आधार अधिप्रमाणन उपकरणों मेँ नये गूढ़लेखन जून से

1 जून, 2017 से आधार अधिप्रमाणन का उपयोग करने वाले सभी उपकरणों को भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (UIDAI) के नये गूढ़लेखन मानकों का पालन करना होगा। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण ने हाल ही मेँ नये विनिर्देशन तैयार किए हैं और विनिर्माताओं एवं विक्रेताओं से नये मानकों के अनुसार मानकीकरण परीक्षण और गुणवत्ता प्रमाणन (UIDAI) की दिशा मेँ आगे बढ़ाने के लिए कहा है। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री अजय भूषण पाण्डेय ने कहा है की 1 जून से नये उपकरण नये विनिर्धारणों पर आधारित होंगे तथा विद्यमान उपकरणों का नये विनिर्देशनों की उस अंतिम तिथि के पूर्व नये मानदंडों के अनुसार कोटि-उन्नयन कराना होगा।

व्यापारी बट्टा दर सीमाएं 31 मार्च, 2017 के आगे तक विस्तारित

विद्यमान 500/ रुपए और 1000/ रुपए के बैंक नोटों (विनिर्दिष्ट बैंक नोट- एसबीएन) की वैध मुद्रा विशेषताओं के वापस लिए जाने के उपरांत और कार्ड भुगतानों की व्यापक स्वीकृति को सुगम बनाने के उद्देश्य से भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा बैंकों को डेबिट कार्ड लेनदेनो के लिए व्यापारी बट्टा दर (MDR) को सीमित करने की सलाह दी गई थी। डेबिट कार्ड लेनदेनों के लिए व्यापारी बट्टा दर के संबंध में अंतिम अनुदेश जारी किए जाने तक भारतीय रिजर्व बैंक के दिनांक 16 दिसंबर, 2016 के परिपत्र के तहत जारी वर्तमान अनुदेश जारी रहेंगे।

केवल भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा प्राधिकृत संस्थाएं/कंपनियाँ ही पीपीआई वैलेट जारी कर सकती हैं

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा मोबाइल एवं इलेक्ट्रानिक वैलेटों सहित पूर्व-प्रदत्त भुगतान लिखतों के प्रयोक्ताओं को यह सूचित कर दिया गया है कि केवल उसके द्वारा भुगतान और निपटान प्रणाली अधिनियम, 2007 के अधीन प्राधिकृत बैंकेतर संस्थाएं ही अन्य पक्षों से माल/सामान तथा सेवाओं की खरीद और भारत के भीतर धन अंतरण के लिए पूर्व-प्रदत्त भुगतान लिखत वैलेट जारी कर सकती हैं।

बीमा

इर्डाई ने बीमाकर्ताओं को को स्थावर संपदा निवेश न्यासों, मूलभूत सुविधा निवेश न्यासों में निवेश करने की अनुमति दी

भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (IRDAI) ने बीमा कंपनियों को स्थावर संपदा निवेश न्यासों (RETTs) और मूलभूत सुविधा निवेश न्यासों (InvITs) में निवेश करने की अनुमति दे दी है, इसप्रकार प्रायोजकों के लिए एक महत्वपूर्ण शुरुआत की है। कोई बीमाकर्ता अपने निधि आकार के 3% से अनधिक अथवा किसी एकल स्थावर संपदा निवेश न्यास/मूलभूत सुविधा निधि न्यास द्वारा जारी यूनिटों के 5% से अनधिक, इनमें से जो भी कम हो का (भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण द्वारा निर्धारित अन्य शर्तों के अधीन) निवेश कर सकता है।

सामान्य, स्वास्थ्य बीमा : बिक्री केन्द्र व्यक्तियों की भर्ती के मानदंड सरलीकृत

भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण ने सामान्य और स्वास्थ्य बीमाकर्ताओं द्वारा बिक्री केन्द्र (PoS) व्यक्तियों की नियुक्ति के मानदंडों को सरल बना दिया है। 1 अप्रैल, 2017 से बीमाकर्ताओं/मध्यवर्ती संस्थाओं को बिक्री केन्द्रों पर कार्य करने हेतु अनिवार्य प्रशिक्षण प्राप्त और परीक्षा उत्तीर्ण व्यक्तियों को, जिसकी जीवन बीमा के मामले में पहले से अनुमति है, नियुक्त करने की अनुमति होगी।

वाहन बीमा प्रीमियम बढ़े

भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण ने 1 अप्रैल, 2017 से विभिन्न श्रेणियों वाले वाहनों के वाहन बीमा प्रीमियम में बढ़ोतरी कर दी है। वृद्धि की मात्रा वाहन की श्रेणी यथा - दुपहियों, निजी कारों, माल वाहक वाहनों (सरकारी और निजी, दोनों), मोटर-चालित तिपहिया वाहनों और ट्रेलरों के आधार पर अलग-अलग है।

नयी नियुक्तियाँ

नाम	पदनाम/संगठन
श्री दिलीप एस॰ संघवी	सदस्य, पश्चिमी क्षेत्र स्थानीय बोर्ड, भारतीय रिजर्व बैंक
श्री महेश कुमार जैन	प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, आईडीबीआई बैंक
श्री प्रेमनाथ एस॰ सालियन	प्रबंध निदेशक, अभ्युदय सहकारी बैंक लिमिटेड
श्री टी॰ एस॰ अनंतरामन	अध्यक्ष, कैथलिक सीरियन बैंक

उत्पाद एवं गठजोड़

संगठन	जिसके साथ गठजोड़ हुआ वह संगठन	उद्देश्य
एचडीएफसी बैंक	नेशनल सिक्योरिटीज डिपोजिटरी (NSDL)	प्रतिभूतियों के समक्ष तुरंत डिजिटल ऋण की सुविधा प्रदान करने के लिए।

यूको बैंक	फ्यूचर जनरली इंडिया इश्योरेंस कंपनी (FGII)	यूको बैंक की सभी शाखाओं में एफजीआईआई की स्वास्थ्य एवं पीए, मोटर, यात्रा, गृह और ग्रामीण उत्पाद प्रदान करने के लिए।
भारतीय स्टेट बैंक	जर्मन डेवलपमेंट बैंक के/डब्ल्यू	देश में वहनीय आवास खंड का वित्तीयन करने हेतु ऋण सुविधा के लिए।
बैंक आफ बड़ौदा	जैन इरीगेशन सिस्टम्स लिमिटेड (JISL)	सूक्ष्म सिंचाई प्रणालियों का वित्तीयन करने के लिए।
आईसीआईसीआई बैंक	ट्रूकालर	एकीकृत भुगतान अंतरापृष्ठ पर आधारित मोबाइल भुगतान सेवा की शुरुआत करने के लिए।.

विदेशी मुद्रा

विदेशी मुद्रा की प्रारक्षित निधियाँ

मद	24 मार्च, 2017 के दिन बिलियन रुपए	24 मार्च, 2017 के दिन मिलियन अमरीकी डालर
कुल प्रारक्षित निधियाँ	24,102.8	3,67,932.1
(क) विदेशी मुद्रा आस्तियां	22,526.2	3,44,235.1
(ख) सोना	1,329.0	19,914.०
(ग) विशेष आहरण अधिकार	95.0	1,451.6
(घ) अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष में प्रारक्षित निधि की स्थिति	152.6	2,331.4

अप्रैल, 2017 माह के लिए लागू अनिवासी विदेशी मुद्रा (बैंक) की न्यूनतम दरें
विदेशी मुद्रा अनिवासी (बैंक) जमाराशियों की आधार दरें

मुद्रा	1 वर्ष	2 वर्ष	3 वर्ष	4 वर्ष	5 वर्ष
अमरीकी डालर	1.39650	1.62290	1.82660	1.96390	2.06100
जीबीपी	0.42310	0.6247	0.7060	0.7863	0.8643
यूरो	-0.20000	-0.134	-0.018	-0.077	-0.186
जापानी येन	0.06130	0.068	0.071	0.090	0.114
कनाडाई डालर	1.19000	1.120	1.257	1.375	1.477

आस्ट्रेलियाई डालर	1.85000	1.960	2.100	2.430	2.550
स्विस फ्रैंक	-0.65250	-0.635	-0.545	-0.444	-0.336
डैनिश क्रोन	-0.05320	0.0435	0.1495	0.2800	0.4075
न्यूजीलैंड डालर	2.10000	2.350	2.575	2.775	2.945
स्वीडिश क्रोन	-0.42200	-0.258	-0.046	0.158	0.348
सिंगापुर डालर	1. 27500	1.545	1.760	1.943	2.075
हांगकांग डालर	1.26000	1.550	1.760	1.920	2.050
म्यामार	3.59000	3.690	3.760	3.810	3.900

शब्दावली

ई-कुबेर

ई-कुबेर विश्व की केंद्रीय बैंक-उन्मुख कोर बैंकिंग प्रणालियों में से एक सर्वप्रमुख प्रणाली है। देशभर में प्रत्येक बैंक के लिए एकल चालू खाते की व्यवस्था, पोर्टल पर आधारित सेवाओं का कहीं से भी किसी भी समय सुरक्षित रीति से उपयोग करते हुए इस खाते तक विकेंद्रीकृत पहुँच और परिचालन की सहूलियत ई-कुबेर की कुछेक विशेषताएँ हैं। इस प्रणाली में सरकारी प्रयोक्ताओं के लिए भी कई प्रकार की सुविधाएं मौजूद हैं। प्रदान की जाने वाली कुछेक सुविधाओं में पोर्टल पर आधारित अभिगम की व्यवस्था का समावेश है, जो सरकारी विभागों को कहीं भी किसी भी समय के आधार पर अभिगम करने, अर्थोपाय अग्रिमों, आहरणों, निधियों की स्थितियों और ऐसे ही अन्य विवरणों सहित उनकी शेषराशियाँ - सब कुछ ई-कुबेर के जरिये एक समेकित रीति से देखने की सुविधा प्रदान करती है, ताकि उनकी बेहतर निधि प्रबंधन में सहायता की जा सके। ,

वित्तीय क्षेत्र की बुनियादी जानकारी

तुलनपत्र-बाह्य एक्सपोजर

तुलनपत्र-बाह्य एक्सपोजर से आशय है किसी बैंक के ऐसे व्यावसायिक कार्यकलाप जिनमें समान्यतया आस्तियां (ऋणों) को बुक करना तथा जमाराशियाँ स्वीकार करना शामिल नहीं होते। तुलनपत्र-बाह्य कार्यकलाप सामान्यत: शुल्कों का सृजन नहीं करते, किन्तु ऐसी देयतायें अथवा आस्तियां निर्मित करते हैं जो आस्थगित या आकस्मिक होती हैं और

इसप्रकार जब तक वे वास्तविक आस्तियां या देयताएं नहीं बन जातीं, संस्था के तुलनपत्र में नहीं दर्शाई जातीं।

संस्थान की प्रशिक्षण गतिविधियां

मई, 2017 माह के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम

क्रम सं.	कार्यक्रम का नाम	तिथि	स्थान
1	अपने ग्राहक को जानिए/धन-शोधन निवारण/आतंकवाद के वित्तीयन का मुक़ाबला	08-05-2017 से 10-05-2017 तक	व्यावसायिक विकास केंद्र, आईआईबीएफ, चेन्नै
2	खुदरा ऋण	15-05-2017 से 18-05-2017 तक	व्यावसायिक विकास केंद्र, आईआईबीएफ, चेन्नै
3	ऋण मूल्यांकन	15-05-2017 से 19-05-2017 तक	व्यावसायिक विकास केंद्र, आईआईबीएफ, चेन्नै
4	लघु एवं मध्यम उद्यम वित्तीयन	02-05-2017 से 06-05- 2017 तक	व्यावसायिक विकास केंद्र, आईआईबीएफ, चेन्नै
5	विदेशी मुद्रा और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार कार्यक्रम	22-05-2017 से 26-05, 2017 तक	व्यावसायिक विकास केंद्र, आईआईबीएफ, चेन्नै
6	ऋण प्रबंधन- अफगानिस्तान इन्टरनेशनल बैंक के अधिकारियों के लिए ग्राहकीकृत कार्यक्रम	20-04-2017 से 01-05- 2017 तक	लीडरशिप सेंटर, आईआईबीएफ, मुंबई
7	वसूली प्रबंधन	04-05-2017 से 06-05-2017 तक	वही
8	बैंकिंग ग्राहक को समझना - जीत की रणनीति	08-05-2917 से 09-05-2017 तक	वही
9	परिक्षोपरांत कक्षा में प्रशिक्षण - प्रमाणित खजाना व्यापारी	12-05-217 से 14-05-2017 तक	वही
10	पहली बार शाखा प्रबन्धक	15-05-217 से 20-05-2017 तक	वही
11	परियोजना वित्त में 26वां प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम	15-05-2017 से 20-05-2017 तक	वही

संस्थान समाचार

भूटान के साथ समझौता ज्ञापन

संस्थान भूटान के बैंकरों के लिए पाठयसामग्री तैयार करने के लिए फाइनैन्सियल ट्रैनिग इंस्टीट्यूट लिमिटेड (FITI) भूटान के साथ एक समझौता ज्ञापन (MOU) हस्ताक्षरित करेगा।

स्थापना दिवस कार्यक्रम 2017

संस्थान ने 29 अप्रैल, 2017 को अपना स्थापना दिवस तथा उन्नत प्रबंधन कार्यक्रम (AMP) प्रमाणपत्र वितरण समारोह आयोजित करने का निर्णय लिया है। भारतीय रिजर्व बैंक के उप गवर्नर श्री एन॰ एस॰ विश्वनाथन ने इस समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहने हेतु अपनी सहमति प्रदान कर दी है। संस्थान अपने स्थापना दिवस के अवसर पर गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों पर अपनी नयी पुस्तक का विमोचन भी करेगा।

आगामी अंकों के लिए बैंक क्वेस्ट की विषय-वस्तुएं

बैंक क्वेस्ट के आगामी अंकों के लिए विषय-वस्तुएं इस प्रकार निर्धारित की गई हैं :

अप्रैल-जून, 2017 : मूलभूत सुविधा वित्तीयन में चुनौतियाँ
जुलाई-सितंबर, 2017 : विमुद्रीकरण के उपरांत बैंकों पर प्रभाव/ उनके लिए चुनौतियाँ
अक्तूबर-दिसंबर, 2017 : सूक्ष्म अनुसंधान आलेख
जनवरी-मार्च, 2018 : बैंकों में साइबर सुरक्षा
अप्रैल-जून, 2018 : अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग
जुलाई-सितंबर, 2018 : जोखिम प्रबंधन

बैंक क्वेस्ट और आईआईबीएफ विजन का अभिदान आनलाइन मोड में स्वीकार किया जाना

संस्थान ने 1ली जुलाई, 2016 से बैंक क्वेस्ट और आईआईबीएफ विजन का अभिदान एसबीआई क्लेक्ट के जरिये आनलाइन मोड में स्वीकार करने तथा मांग ड्राफ्ट के जरिये अभिदान स्वीकार करना बंद करने का निर्णय लिया है। अभिदान केवल एक वर्ष के लिए स्वीकार किया जाएगा। अन्य पक्ष का भुगतान नहीं स्वीकार किया जाएगा। घरेलू अभिदाताओं/संगठनों से अभिदान का भुगतान अनलाइन मोड के जरिये सीधे ही करने का

अनुरोध है। विदेशी अभिदाताओं के मामले में अभिदान के आवेदन की विधि में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। विदेशी अभिदाता आवेदन पत्र के लिए publications@iibf.org.in पर प्रकाशन विभाग को लिख सकते हैं। घरेलू अभिदाता /संगठन आनलाइन मोड में अभिदान के भुगतान के लिए कृपया इंडियन इंस्टीट्यूट आफ बैंकिंग एंड फाइनैन्स की वेबसाइट www.iibf.org.in पर आनलाइन रजिस्ट्रेशन सर्विसेज पृष्ठ देखें।.

सेवा कर की नयी दर

वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग ने 1ली जून, 2016 से किसी भी या सभी करयोग्य सेवाओं पर 0.5 प्रतिशत कृषि कल्याण उप कर की वसूली किए जाने की सूचना दी है। सेवा कर की प्रभावी दर 14% + 0.5 % (स्वच्छ भारत उप कर) +0.5 % (कृषि कल्याण उप कर) = 15.00 % है। तदनुसार, संस्थान ने सभी शुल्कों में इस परिवर्तन को शामिल कर लिया है।

अपने ग्राहक को जानिए/धन-शोधन निवारण और ग्राहक सेवा परीक्षा

संस्थान अप्रैल, 2016 के बाद से अपने ग्राहक को जानिए/धन-शोधन निवारण और ग्राहक सेवा परीक्षा में प्रमाण पत्र परीक्षा का आयोजन नियमित रूप से तिमाही आधार पर कर रहा है। विवरण के लिए www.iibf.org.in देखें।

परीक्षाओं के लिए दिशानिर्देशों /महत्वपूर्ण घटनाओं की निर्धारित तिथि

संस्थान में इस बात की जांच करने के उद्देश्य से कि अभ्यर्थी अपने -आपको वर्तमान घटनाओं से अवगत रखते हैं या नहीं प्रत्येक परीक्षा में कुछ प्रश्न हाल की घटनाओं/ विनियामक/कों द्वारा जारी दिशानिर्देशों के बारे में पूछे जाने की परंपरा है। हालांकि, घटनाओं/दिशानिर्देशों में प्रश्नपत्र तैयार किए जाने की तिथि से और वास्तविक परीक्षा तिथि के बीच की अवधि में कुछ परिवर्तन हो सकते हैं। इन मुद्दों का प्रभावी रीति से निराकरण करने के लिए यह निर्णय लिया गया है कि :

(i) संस्थान द्वारा फरवरी, 2017 से जुलाई, 2017 तक की अवधि के लिए आयोजित की जाने वाली परीक्षाओं के संबंध में प्रश्नपत्रों में समावेश के लिए विनियामक/कों द्वारा जारी अनुदेशों/दिशानिर्देशों और बैंकिंग एवं वित्त के क्षेत्र में 31 दिसंबर, 2016 तक की महत्वपूर्ण घटनाओं पर ही विचार किया जाएगा।

(ii) संस्थान द्वारा अगस्त, 2017 से जनवरी, 2018 तक की अवधि के लिए आयोजित की जाने वाली परीक्षाओं के संबंध में प्रश्नपत्रों में समावेश के लिए विनियामक/कों द्वारा जारी अनुदेशों/दिशानिर्देशों और बैंकिंग एवं वित्त के क्षेत्र में 30 जून तक की महत्वपूर्ण घटनाओं पर ही विचार किया जाएगा।

नई पहलकदमी

सदस्यों से अनुरोध है कि वे संस्थान के पास मौजूद उनके ई-मेल पते अद्यतन करा लें तथा वार्षिक रिपोर्ट ई-मेल के जरिये प्राप्त करने हेतु अपनी सहमति भेज दे।

आईआईबीएफ विजन के स्वामित्व और अन्य विवरणों से संबन्धित वर्णन
इंडियन इंस्टीट्यूट आफ बैंकिंग एंड फाइनैन्स का जर्नल

1॰ प्रकाशन स्थल	: मुंबई
2. प्रकाशन की आवधिकता	: मासिक
3. प्रकाशक का नाम	: डा॰ जिबेन्दु नारायण मिश्र
राष्ट्रीयता	: भारतीय
पता	: इंडियन इंस्टीट्यूट आफ बैंकिंग एंड फाइनैन्स कोहिनूर सिटी, कामर्शियल- II, टावर 1, किरोल रोड, कुर्ला (प), मुंबई- 400 070
4. संपाद्क का नाम	: डा॰ जिबेन्दु नारायण मिश्र
राष्ट्रीयता	: भारतीय
पता	: इंडियन इंस्टीट्यूट आफ बैंकिंग एंड फाइनैन्स कोहिनूर सिटी, कामर्शियल- II, टावर 1, किरोल रोड, कुर्ला (प), मुंबई- 400 070
5 प्रिन्टिंग प्रेस का नाम	: आनलुकर प्रेस, 16 सासून डाक, कोलाबा, मुंबई- 400 005
6. स्वामियों के नाम एवं पता	: इंडियन इंस्टीट्यूट आफ बैंकिंग एंड फाइनैन्स कोहिनूर सिटी, कामर्शियल- II, टावर 1, किरोल रोड, कुर्ला (प), मुंबई- 400 070

मैं, डा॰ जे॰ एन॰ मिश्र, एतदद्वारा यह घोषणा करता हूं कि ऊपर दिये गए विवरण मेरी सर्वोत्तम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार सत्य हैं।

31.03.2017

डा॰ जे॰ एन॰ मिश्र
प्रकाशक के हस्ताक्षर

समाचार पंजीयक के पास आरएनआई संख्या 6928/1998 के अधीन पंजीकृत

बाजार की ख़बरें

भारित औसत मांग दरें

6.25
6.2
6.15
6.1
6.05
6
5.95
5.9
5.85

अक्तूबर, 2016, नवंबर, 2016, दिसंबर, 2016, जनवरी, 2017, फरवरी,2017, मार्च, 2017

स्रोत : भारतीय समाशोधन निगम न्यूजलेटर, 2016

भारतीय रिजर्व बैंक की संदर्भ दर

90
85
80
75
70
65
60
55
50

अक्तूबर, 2016, नवंबर, 2016, दिसंबर, 2016, जनवरी, 2017, फरवरी, 2017, मार्च, 2017

स्रोत : भारतीय रिजर्व बैंक

खाद्येतर ऋण वृद्धि %

10
9
8
7
6
5
4
सितंबर, 2016, अक्तूबर, 2016, नवंबर, 2016, दिसंबर, 2016, जनवरी, 2017, फरवरी, 2017
स्रोत : मंथली रिव्यू आफ इकानामी, भारतीय समाशोधन निगम, मार्च, 2017

बंबई शेयर बाजार सूचकांक

30000
29500
29000
28500
28000
27500
27000
26500
26000
अक्तूबर, 2016, नवंबर, 2016, दिसंबर, 2016, जनवरी, 2017, फरवरी, 2017, मार्च, 2017
स्रोत : बंबई शेयर बाजार (BSE)

समग्र जमा वृद्धि %

16
15
14
13
12
11
10
9
8

सितंबर, 2016, अक्तूबर, 2016, नवंबर, 2016, दिसम्बर, 2016, जनवरी, 2017,फरवरी, 2017
स्रोत : मंथली रिव्यू आफ इकानामी, भारतीय समाशोधन निगम, मार्च, 2017

डा॰ जे॰ एन॰ मिश्र द्वारा मुद्रित, डा॰ जे॰ एन॰ मिश्र द्वारा इंडियन इंस्टिट्यूट आफ बैंकिंग एंड फाइनैन्स की ओर से प्रकाशित तथा आनलुकर प्रेस, 16 सासुन डाक, कोलाबा, मुंबई- 400 018 में मुद्रित एवं इंडियन इंस्टिट्यूट आफ बैंकिंग एंड फाइनैन्स, कोहिनूर सिटी, कामर्शियल-II, टावर-1, 2री मंजिल, किरोल रोड, कुर्ला (पश्चिम),,मुंबई - 400 070 से प्रकाशित।
संपादक : डा॰ जे॰ एन॰ मिश्र

इंडियन इंस्टिट्यूट आफ बैंकिंग एंड फाइनैन्स
कोहिनूर सिटी, कामर्शियल-II, टावर-1, 2री मंजिल,
किरोल रोड, कुर्ला (पश्चिम), ,मुंबई - 400 070
टेलीफोन : 91-22-2503 9604/ 9607 फैक्स : 91-22-2503 7332
तार : INSTIEXAM ई-मेल : admin@iibf.org.in.
वेबसाइट : **www.iibf.org.in**.

आईआईबीएफ विजन अप्रैल, 2017